समाज को नया रूप देने में ब्रह्माकुमारीज संस्था की भूमिका

भारत देश एक संस्कृति विरासत का बहुआयामी देश है। इस देश में विभिन्न जाति धर्म तथा विभिन्न सम्प्रपदाय के लोग रहते है। और देश में आने वाली आपदाओं के समय अपने-अपने क्षमता, भावना तथा कर्त्तव्यन्ष्ठिता के अनुसार मद्दगार होते है। जिसमें जनता तथा सरकार दोनों का हित छिपा होता है। धार्मिक संस्थाओं के अलावा अन्य और भी ऐसी बहुत सी संस्थायें है जो धर्म को साथ में लिये हुए समाज में गरीबी, अत्याचार, भ्रष्ट्राचार, बेरोजगारी, साम्प्रदायिकता, नारी शोषण, जातिवाद, धर्मवाद तथा अन्य ऐसे तथ्य है जिनके प्रति समय प्रति समय आवाज उठाकर उसके निवारण हेतु कार्यरत रहती है। परन्तु कुछ वृहद स्तर पर कार्य करने वाली ऐसी संस्थायें है जो विश्व बन्धुत्व के सपना साकार करने की दृष्टि से केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व को एक सूत्र में बांधने का अथक नि:स्वार्थ और नि:शुल्क प्रयासरत है।

इनमें से एक अध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय भी है जो पूरे मानव जगत को उसके अतीत का दर्शन कराकर अपने दायित्व के प्रति जागरूक करते हैं जिससे उनके अन्दर एक प्रेरणा आये और वह श्रेष्ठ मानव का दर्जा पाकर खुद को रोशन करे तथा दूसरों को प्रेरणा देने का मार्गदर्शक बन सके।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एक आध्यात्मिक गैर सरकारी संस्था है। वर्तमान समय भारत सहित पूरे दुनियां के 90 देशों में 6 हजार पांच सौ से भी अधिक सेवाकेन्द्रों से पूरे विश्व में नैतिक मूल्यों की शिक्षा प्रदान कर रहा है। यह मानवता के नैतिक एवं आध्यात्मिक उत्थान के लिए समर्पित संस्था है। यह किसी भी जाति, धर्म, रंग भेद, सम्प्रदाय, राष्ट्रीयता के भोदभाव के बिना मानव मात्र की सेवा के लिए सुलभ है।

यह संस्थान संयुक्त राष्ट्र में अशासकीय संस्थाओं के संगठन (एन. जी. ओ.) का सदस्य होने के साथ ही उसके आर्थिक एवं सामाजिक परिषद एवं युनिसेफ का सलाहकार सदस्य भी है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्व विद्यालय की भगिनी संस्था राजयोग शिक्षा एवं शोध प्रतिष्ठान भी है जिसमें 18 प्रभाग शिक्षा, मीडिया, मेडिकल, प्रशासक, सामाजसेवा, ग्रामीण विकास, कला एवं संस्कृति प्रभाग, ज्यूरिष्ट, राजनीतिक, ट्रांसपोर्ट, स्पोर्टस प्रभागों के माध्यम से इससे सम्बन्धित क्षेत्र में मूल्यनिष्ठता लाने का क्षेत्रिय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत ही वृहद स्तर पर प्रयास किये जा रहे है। इसके अच्छे परिणाम सामने आये है। समय प्रति समय हर वर्गो के लोगों के लिए वर्तमान समय के ज्वंलत समस्याओं के निराकरण के लिए अनेक सम्मेलनों, संगोष्ठियों तथा विभिन्न कार्यशालाओं के भी आयोजन किये जाते रहे है।

गाँवों से रूढ़िवादिता मिटाने, शिक्षा स्तर, स्वच्छता आदि के उत्थान के लिए संस्था के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा गत वर्षो में पूरे भारत में **अखिल भारतीय स्वर्णिम ग्राम्य अभियान के अन्तर्गत रैलियों के द्वारा महाराष्ट्र, इन्दौर, कोलकाता, विहार, असम, गुवाहाटी, गुजरात, दिल्ली, पंजाब, तमिलनाडु, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, भोपाल, माउण्ट आबू आदि राज्यों में 78251 गाँवों में 56024489 लोग इस अभियान से अवगत हुए तथा 1558598 लोगों ने** व्यसनों से मुक्त होने का संकल्प लिया। कई गाँवों को दत्तक लेकर उनको गोकुल गाँव बनाने का सराहनीय प्रयास किया है।

इसके साथ-साथ सम्पूर्ण स्वास्थ्य जीवनशैली ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा संचालित ग्लोबल हास्पिटल

के द्वारा व्यापक रूप की सेवायें की जाती है। प्रतिवर्ष 2 हजार आंखों का नि:शुल्क आपरेशन किया जाता है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित जिसमें देश व विदेश के डाक्टर अपनी सेवायें देते है। यहाँ आदिवासी तथा गरीब तबके के लोगों के लिए दवाओं में भी छूट दी जाती है। देश को स्वास्थ्य जैसी समस्याओं के पूर्ण विकास के लिए दवाओं के साथ-साथ सर्व बिमारियों की जड़ मनुष्यात्मा की आन्तरिक स्थिति को मजबू त सशक्त बनाने के लिए यहाँ भारत का सबसे प्राचीन तथा गीता में वर्णित सर्व कर्मेन्द्रियों पर विजय पाने का योग 'राजयोग' का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे मनुष्य के अन्दर सुषुप्त शक्तियां जागृत हो जाती है। और वह आन्तरिक विकास के जरिये। वाह्य विकास का समन्वय समुचित तरीके से कर लेता है।

- ब्रह्माकुमारीज् वार्ता फिचर्स
www.bkvarta.com